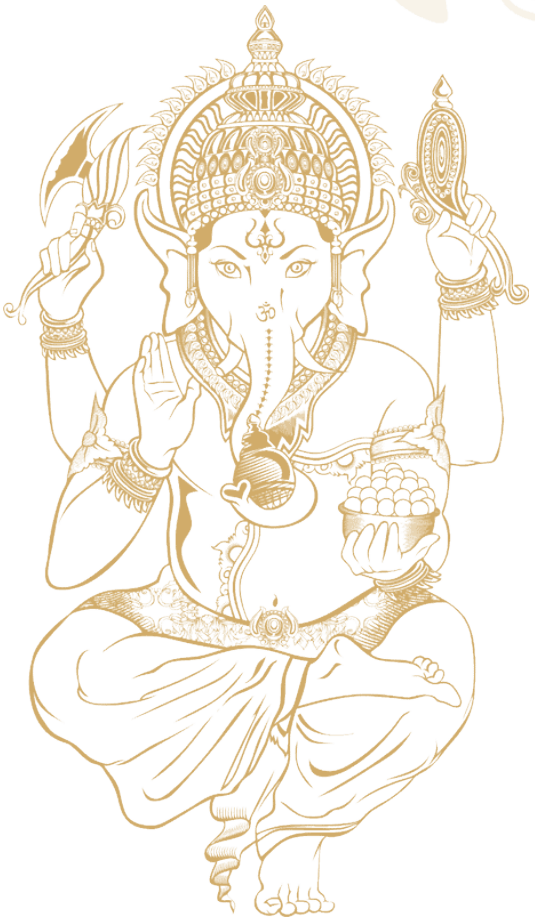

Jay Pratibha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120128806

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/11/1994	जन्म तिथि	31/08/1999
गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 18:00:00	जन्म समय	05:56:00 घंटे
घटी 30:34:28	जन्म समय(घटी)	01:33:11 घटी
India	देश	India
Kolkata	स्थान	Baloda Bazar
22:34:00 उत्तर	अक्षांश	21:40:00 उत्तर
88:21:00 पूर्व	रेखांश	82:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:24	स्थानिक संस्कार	-00:01:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:46:12	सूर्योदय	05:44:09
16:54:45	सूर्यास्त	18:19:04
23:47:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 11मा 7दि	12:43:38	वृष	लग्न	सिंह	15:14:22	केतु 4वर्ष 5मा 17दि
गुरु	24:05:45	तुला	सूर्य	सिंह	13:19:51	सूर्य
18/10/2017	27:15:54	मक	चंद्र	मेष	04:49:52	16/02/2024
18/10/2033	25:01:40	कर्क	मंगल	वृश्चि	04:25:03	16/02/2030
गुरु 06/12/2019	06:11:48	तुला	बुध	सिंह	04:56:32	सूर्य 05/06/2024
शनि 18/06/2022	29:49:55	तुला	गुरु व	मेष	11:04:47	चन्द्र 04/12/2024
बुध 23/09/2024	12:11:19	तुला व	शुक्र व	कर्क	27:20:05	मंगल 11/04/2025
केतु 30/08/2025	11:53:32	कुंभ	शनि व	मेष	23:19:52	राहु 06/03/2026
शुक्र 30/04/2028	21:00:56	तुला	राहु व	कर्क	18:54:28	गुरु 23/12/2026
सूर्य 16/02/2029	21:00:56	मेष	केतु व	मक	18:54:28	शनि 05/12/2027
चन्द्र 18/06/2030	29:15:12	धनु	हर्ष व	मक	20:04:25	बुध 11/10/2028
मंगल 25/05/2031	27:12:02	धनु	नेप व	मक	08:14:07	केतु 15/02/2029
राहु 18/10/2033	03:47:01	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:55:41	शुक्र 16/02/2030

लग्न-चलित

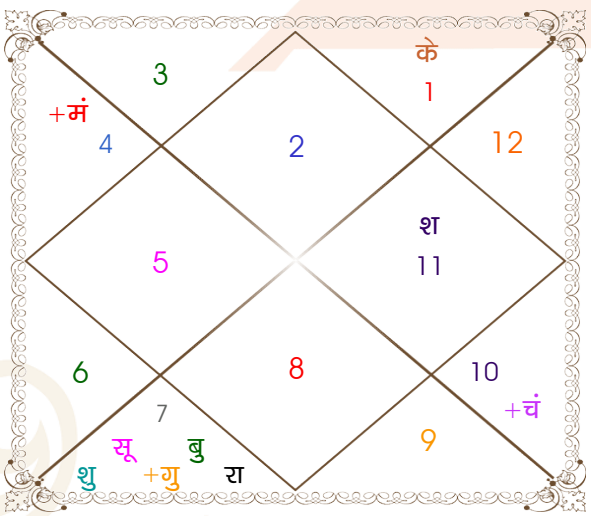

लग्न-चलित

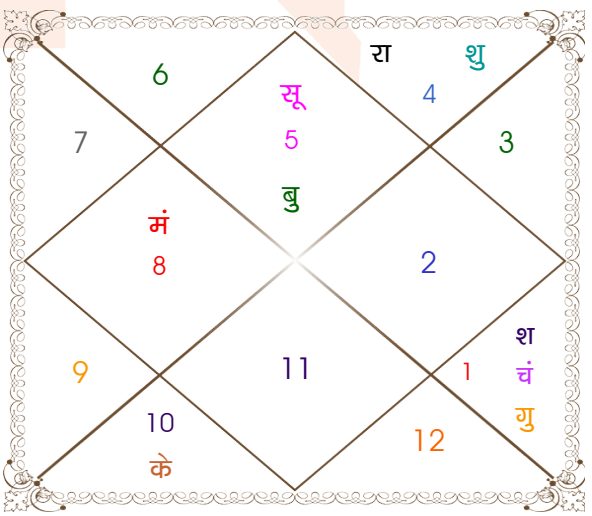

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

Jay का वर्ग मार्जार है तथा Pratibha का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jay और Pratibha का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Jay मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Pratibha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Pratibha कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Pratibha कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Jay कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jay तथा Pratibha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com